भारत सरकार

अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 2635

बुधवार, 10 मार्च, 2021 को उत्तर देने के लिए

जेनेरिक स्पेस फ्लाइट

2635. श्री विनोद कुमार सोनकर:
डॉ. जयंत कुमार राय:
श्री भोला सिंह:
श्रीमती संगीता कुमारी सिंह देव:
श्री राजवीर सिंह (राजू भैय्या):
श्रीमती शर्मिष्ठा सेठी:

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र में प्रमुख सुधारों में तेजी लाने के लिए 'भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केन्द्र' (आईएन - स्पेस) का गठन किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार का विचार पीएसएलवी - सीएस 51 को प्रक्षेपित करने का है जिसमें कुछ छोटे भारतीय उपग्रहों के साथ ब्राजील का अमाजोनिया उपग्रह भी शामिल है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार ने रूस में जेनेरिक स्पेस फ्लाइट के लिए चार भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों को प्रशिक्षित किया है;

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(छ) सरकार द्वारा अंतरिक्ष क्षेत्र में अन्य क्या कदम उठाए जा रहे हैं/ उठाए जाने के लिए प्रस्तावित हैं?

उत्तर

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) और (ख)

जी हां, भारत सरकार ने अंतरिक्ष संबंधी क्रियाकलापों में निजी क्षेत्र की भागीदारी को संभव बना कर अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधार किया है।

उपग्रहों, प्रक्षेपकों और अंतरिक्ष आधारित सेवाओं में निजी कंपनियों के लिए समान अवसर प्रदान करने, निजी क्षेत्र के लोगों के लिए भविष्यसूचक योग्य नीति और विनियामक वातावरण का सृजन करने, उनकी क्षमताओं में सुधार करने हेतु इसरो

..2/-

सुविधाओं एवं अन्य संबंधित आस्तियों के लिए अभिगम प्रदान करने, ग्रहीय अन्वेषण, बाह्य अंतरिक्ष यात्रा इत्यादि के चयनित क्षेत्रों में निजी क्षेत्र को अवसर प्रदान करने और उद्यमियों को सुदूर संवेदन आंकड़ा प्रदान करने हेतु विद्यमान भू-स्थानिक आंकड़ा नीति को उदार बनाने की मंशा से अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधार किए गए।

निजी क्षेत्र के अंतरिक्ष संबंधी क्रियाकलापों को प्रोत्साहित करने, उन्हें ठोस सहायता प्रदान करने, अनुमति देने, निगरानी और पर्यवेक्षण करने हेतु नियामक निकाय के रूप में भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (आई एन-स्पेस) का गठन किया गया।

(ग) और (घ)

जी हां, पी एस एल वी-सी 51 28 फरवरी, 2021 को 18 छोटे उपग्रहों के साथ ब्राजील के राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान का अमाजोनिया-1 प्रकाशिकी भू-पर्यवेक्षण उपग्रह अपने साथ ले गया।

(ङ) और (च)

जी हां, गगनयान कार्यक्रम के भाग के रूप में चार भारतीय अंतरिक्ष यात्री इस समय जेनेरिक स्पेस फ्लाइट प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। रूस में अंतरिक्षयात्री प्रशिक्षण संबंधी क्रियाकलाप समाप्ति पर हैं। उत्तरजीविता प्रशिक्षण (हिम, जल और सोपान), परवलयिक उड़ान, कक्षीय यांत्रिकी पर सैद्धांतिक कक्षाएं, खगोलीय नौवहन और कुछ सोयुज प्रणालियों जैसे प्रमुख मॉड्यूल पूरे कर लिए गए हैं।

(छ) भारत सरकार अंतरिक्ष क्षेत्र में नई नीतियों और दिशानिर्देशों को लाकर तथा वर्तमान नीतियों में संशोधन के द्वारा भी अंतरिक्ष उद्योग के फलने-फूलने हेतु पारिस्थितिक तंत्र के सृजन की प्रक्रिया में है। अंतरिक्ष क्रियाकलाप संबंधी विधेयक का प्रारूप कानूनी पुनरीक्षण तथा आगे की प्रक्रिया के अधीन है।

***